# कारगिल दिवस पर साइकिल रैली

## 50 प्रतिभागियों ने चार किमी साइकिल चलाकर शहीद जवानों को दी श्रद्धांजलि

**खेल प्रतिनिधि**

**भोपाल, 26 जुलाई. कारगिल विजय दिवस के अवसर पर रविवार को स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया (साई) के सेंट्रल रीजनल सेंटर (सीआरसी) भोपाल में आयोजित विशेष 'संडे ऑन साइकिल' में खिलाड़ियों, सैन्यकर्मियों और अधिकारियों ने हिस्सा लेकर कारगिल के शहीदों को श्रद्धांजलि दी.**

50 प्रतिभागियों ने चार किलोमीटर की साइकिल रैली पूरी की. आयोजन का उद्देश्य फिटनेस के साथ देशभक्ति का संदेश देना और युवाओं को सक्रिय जीवनशैली के लिए प्रेरित करना रहा. रैली की शुरुआत साई सीआरसी परिसर से हुई. उद्घाटन ग्रुप कैप्टन आशुतोष वी. अथावले, 12 टैक्टिकल एयर सेंटर, एयर फोर्स भोपाल के टीऐसी कमांडर ने किया. कार्यक्रम में मुख्यालय 21 कोर (द्रोणाचल) के सैन्यकर्मियों के साथ सर्विसेज सेलेक्शन बोर्ड (एसएसबी) भोपाल के अधिकारियों और प्रतिनिधियों ने भी भाग लिया. आयोजकों के अनुसार रैली शुरू होने से पहले सभी प्रतिभागियों ने 1999 के कारगिल युद्ध में शहीद हुए सैनिकों की स्मृति में दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि अर्पित की. इसके बाद खिलाड़ियों और जवानों ने एक साथ साइकिल चलाकर शहीदों के प्रति सम्मान व्यक्त किया.

### एबीवीपी ने निकाली तिरंगा यात्रा

कारगिल विजय दिवस पर रविवार को अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने तिरंगा यात्रा निकालकर कारगिल युद्ध के शहीदों को श्रद्धांजलि दी. इस दौरान भारत माता की आरती की गई. युवाओं ने राष्ट्रीय एकता, राष्ट्र प्रथम का संदेश दिया. एबीवीपी ने जंतर-मंतर पर भारतीय सेना के खिलाफ की गई कथित टिप्पणियों का विरोध भी दर्ज कराया. यात्रा का नेतृत्व राष्ट्रीय महामंत्री डॉ. वीरेंद्र सिंह सोलंकी ने किया.

# कुकिंग प्रतियोगिता की विजेता महिलाएं पुरस्कृत

**मानस भवन में पुरस्कार वितरण समारोह**

**संत नगर प्रतिनिधि**

**संत नगर, 26 जुलाई. सिंधी मेला समिति द्वारा हाल ही में आयोजित कुकिंग प्रतियोगिता का पुरस्कार वितरण समारोह रविवार को मानस भवन में आयोजित किया गया. कार्यक्रम की शुरुआत भगवान झूलेलाल की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलन एवं पुष्पांजलि अर्पित कर की गई.**

समारोह में मुख्य अतिथि राज्य मंत्री प्रतिमा बागरी, विशिष्ट अतिथि डॉ. प्रिया भावे चितावर तथा विधायक भगवानदास सबनानी उपस्थित रहे. राज्य मंत्री बागरी ने कहा कि सिंधी मेला समिति का यह प्रयास महिलाओं को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का सशक्त मंच उपलब्ध कराता है. उन्होंने कहा कि समाज की संस्कृति, भाषा और पारंपरिक खान-पान को आगे बढ़ाने में महिलाओं की भूमिका महत्वपूर्ण है. समिति के संरक्षक एवं विधायक सबनानी ने कहा कि प्रतियोगिता का उद्देश्य नई पीढ़ी को सिंधी समाज के पारंपरिक व्यंजनों और सांस्कृतिक विरासत से परिचित कराना है. कार्यक्रम में मुख्य वक्ता डॉ. प्रिया भावे, मध्यप्रदेश बाल संरक्षण आयोग की अध्यक्ष निवेदिता शर्मा तथा फीस्टलिशियस की संस्थापक एवं स्वामिनी प्रियंका गोगिया तोरानी ने भी महिलाओं को जागरुकता और आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने का संदेश देते हुए अपने विचार साझा किए. समारोह के अंत में सिंधी महिला समिति के अध्यक्ष मनीष दरयानी एवं महासचिव नरेश तलरेजा ने सभी का आभार व्यक्त किया.

# गौसंरक्षण के लिए गायत्री शक्तिपीठ में आज गौ पूजन

**निज संवाददाता**

**भोपाल, 26 जुलाई. गायत्री परिवार की ओर से गौ सेवा और संरक्षण के लिए 27 जुलाई को देशभर में एक साथ कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे.**

एमपी नगर स्थित गायत्री शक्तिपीठ में सुबह 10 बजे गौ पूजन, सेवा और जनजागरण से जुड़े आयोजन होंगे. संस्था के मुताबिक इस अभियान का मकसद लोगों को गौ संरक्षण के सामाजिक और आर्थिक महत्व से जोड़ना है. आयोजकों ने बताया कि देशभर की गायत्री परिवार से जुड़ी गौशालाओं में एक ही दिन पूजा, सेवा और जागरुकता कार्यक्रम रखे गए हैं. इसमें प्रदर्शनी और स्टॉल के जरिए गौ आधारित उत्पादों की जानकारी भी दी जाएगी. स्थानीय स्तर पर गौ भक्तों का सम्मान भी किया जायेगा. संस्था के अनुसार गौ संरक्षण से खेती, पर्यावरण और रोजगार पर भी असर पड़ता है. गोबर, गौमूत्र से जैविक खाद अन्य उत्पाद तैयार किए जा रहे हैं.

## गो संरक्षण की मांग को लेकर आज देंगे ज्ञापन

**संत नगर, 26 जुलाई.** गाय को राष्ट्रीय माता का दर्जा देने, देशी गोवंश एवं नंदी के संरक्षण, देशभर में पूर्ण गोहत्या-निषेध, गोचर बोर्ड के गठन आदि मांगों को लेकर संग्रहित हस्ताक्षरयुक्त ज्ञापन को 27 जुलाई सोमवार को कलेक्टर के माध्यम से ज्ञापन सौंपा जाएगा.

### एक नजर में

## भारत भवन में कजरी-झूला महोत्सव का समापन

**भोपाल,26 जुलाई.** भारत भवन के संगीत केंद्र अनहद में रविवार शाम तीन दिवसीय कजरी-झूला गायन महोत्सव का समापन हुआ. कार्यक्रम में बघेलखंड और बुंदेलखंड की लोकधुनों की प्रस्तुतियों ने बड़ी संख्या में पहुंचे श्रोताओं को सावन और लोकजीवन से जुड़ी भावनाओं से जोड़ा. अंतिम दिन की शुरुआत बघेली लोकगायन से हुई.कलाकारों ने सरस्वती वंदना के साथ कार्यक्रम शुरू किया और कजरी गीतों में विरह और परिवार से दूरी की भावनाएं पेश कीं. इसके बाद हिंदुली और सुआ जैसे गीतों के जरिए मौसम, खेती और प्रकृति से जुड़े पहलुओं को सामने रखा गया. दूसरे सत्र में बुंदेली लोकगीतों की प्रस्तुति हुई. सावन, बारिश और श्रृंगार से जुड़े गीतों ने माहौल को और जीवंत बना दिया.

## देवशयनी एकादशी पर किया सुंदरकांड पाठ

**भोपाल,26 जुलाई (निज संवाददाता).** देवशयनी एकादशी के मौके पर घोड़ा नक्कास स्थित श्री लक्ष्मीनारायण साहू समाज मंदिर में नवयुवक मंडल साहू समाज ने सुंदरकांड पाठ और भजन संध्या का आयोजन किया. कार्यक्रम की शुरुआत पूजा-अर्चना से हुई. इसके बाद सामूहिक रूप से सुंदरकांड का पाठ किया गया. शाम के समय 111 दीपों से महाआरती की गई. भजन संध्या में गायक रूपेश राज और हरीश कुशवाह ने राम भक्ति से जुड़े गीत प्रस्तुत किए.

## पावस गोष्ठी में गूंजे बारिश के गीत

**भोपाल 26 जुलाई (निज संवाददाता).** दुष्यन्त कुमार स्मारक पांडुलिपि संग्रहालय के राज सदन में पावस विषय पर साहित्यिक गोष्ठी का आयोजन हुआ, जिसमें शहर के रचनाकारों ने बारिश और सावन से जुड़े अपने गीत, दोहे और कविताएं प्रस्तुत कीं. आयोजन का उद्देश्य पावस ऋतु से जुड़े भावों को साझा करना रहा. कार्यक्रम का संयोजन अशोक निर्मल ने किया, जबकि अध्यक्षता उर्दू अकादमी की निदेशक डॉ नुसरत मेहदी ने की. मुख्य अतिथि के रूप में निराला सृजन पीठ की निदेशक डॉ साधना बलवटे मौजूद रहीं. कार्यक्रम का संचालन डॉ अनीता तिवारी ने किया. गोष्ठी में करीब 35 रचनाकारों ने हिस्सा लिया. मनीष बादल, सीमा मिश्रा सुशी, हरि वल्लभ शर्मा और दीपक पंडित समेत कई कवियों ने पावस पर अपनी रचनाएं सुनाईं, जिन्हें श्रोताओं ने सराहा.

## जनचेतना पार्क के विकास कार्यों का शुभारंभ

**संत नगर, 26 जुलाई.** उपनगर के वार्ड क्रमांक-5 स्थित जनचेतना पार्क में गजीबो एवं शेड निर्माण कार्य का शुभारंभ भूमि पूजन के साथ किया गया. भूमि पूजन पार्षद अशोक मारण द्वारा संपन्न कराया गया. इस अवसर पर पार्षद मारण ने कहा कि यदि नगर के सभी निर्वाचित प्रतिनिधि आपसी समन्वय, सहयोग और दृढ़ इच्छाशक्ति के साथ कार्य करें, तो संत नगर की अधिकांश समस्याओं का समाधान संभव है और विकास कार्यों के मामले में यह क्षेत्र आदर्श नगर के रूप में अपनी पहचान बना सकता है. कार्यक्रम का संचालन महेश गुरबानी ने किया, जबकि आभार प्रदर्शन जीतेश खानचंदानी ने व्यक्त किया. कार्यक्रम में उप ब्लॉक अध्यक्ष घनश्याम लालवानी, अशोक पुरुस्वानी, अर्जुन तोलानी, सतीश खानचंदानी, जीतेश खानचंदानी, लोकूमल वासवानी, नरेश पुरुस्वानी, वासुदेव तेजवानी, अशोक आवतरामानी, मुकेश आडवानी, निलेश भागवानी, नानकराम वाधवानी, भरत नागवानी, इंद्र वाधवानी, आनंद भोजवानी, कुलदीप तोलानी, मेघानी भाभी, जगदीश सांवले, महेश गुरबानी, विष्णु मारण, सुरेश सिंगरोली, आत्माराम सूर्यवंशी सहित बड़ी संख्या में स्थानीय रहवासी उपस्थित रहे.

### नगर में आज

**शालाका चित्र प्रदर्शनी**

**समय-** दोपहर 12 बजे से, **स्थान-** जनजातीय संग्रहालय

**माह का प्रादर्श**

**समय-** सुबह 10 बजे से, **स्थान-** मानव संग्रहालय

नोशीन

महक

करण आयुष

# विश्व कप में एमपी का दम, भारत ने जीता स्वर्ण-रजत

**खेल प्रतिनिधि**

**भोपाल, 26 जुलाई. मस्कट (ओमान) में एफआईएच यूथ हॉकी एशियन चैंपियनशिप 2026 में मध्यप्रदेश के खिलाड़ियों ने भारतीय हॉकी को दोहरी सफलता दिलाई.**

पुरुष वर्ग में मप्र राज्य पुरुष हॉकी अकादमी के गोलकीपर आयुष रजक और फॉरवर्ड करण गौतम की मौजूदगी वाली भारतीय टीम ने फाइनल में पाकिस्तान को 3-1 से हराकर स्वर्ण पदक जीता. महिला वर्ग में नौशीन नाज़ के 17 गोलों की बदौलत भारतीय टीम ने रजत पदक अपने नाम किया. फाइनल में पाकिस्तान के खिलाफ 3-1 से जीत दर्ज की. गोलकीपर महक परिहार ने भी टीम की चुनौती मजबूत बनाए रखी.

## भोपाल के पीयूष चौथी बार बने स्नूकर चैंपियन

**भोपाल, 26 जुलाई.** 40 वीं मप्र राज्य स्नूकर चैंपियनशिप में सीनियर वर्ग में भोपाल के पीयूष कुशवाहा ने 15 रेड वर्ग का खिताब जीत लिया. इसके साथ ही उन्होंने इस वर्ग में चौथी बार और कुल मिलाकर दसवीं बार राज्य चैंपियन बनने का रिकॉर्ड अपने नाम किया. प्रतियोगिता में प्रदेश के कई शीर्ष खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया. करीब 12 साल से स्नूकर खेल रहे पीयूष ने फाइनल तक लगातार अच्छा प्रदर्शन किया. उन्होंने बताया कि इस बार मुकाबले पहले के मुकाबले ज्यादा कठिन रहे.

# चित्रांश गायकों ने गीतों से दी मुकेश को श्रद्धांजलि

**नवभारत न्यूज**

**भोपाल 26 जुलाई.** कायस्थ समाज की संस्था कायस्थम मध्य प्रदेश द्वारा पार्श्वगायक स्व. मुकेश चंद्र माथुर के 103वें जन्मदिवस के मौके पर रविवार को आयोजित फिल्मी गीतों के कार्यक्रम रिमझिम गिरे सावन 2.0 में मुकेश सहित किशोर कुमार, मोहम्मद रफी, लता मंगेशकर, आशा भोसले के गीतों की जोरदार बारिश हुई.

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि आबकारी आयुक्त दीपक सक्सेना तथा विशेष अतिथि म.प्र. कौंसिल ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी के महानिदेशक अनिल कोठारी, वरिष्ठ पत्रकार महेश श्रीवास्तव और प्रसिद्ध भजन गायक रवि खरे थे. अतिथियों ने कार्यक्रम का शुभारंभ श्री चित्रगुप्त, सरस्वती देवी और स्व. मुकेश के चित्र पर माल्यार्पण तथा दीप प्रज्वलित कर किया. उन्होंने सभी 30 चित्रांश गायकों का स्वागत भी किया.

कान्वेंट स्कूल ईदगाह की छात्रा वंशिका श्रीवास्तव ने सरस्वती वंदना तो इटली से आई छात्रा रिया सक्सेना ने भगवान श्री चित्रगुप्त के मंत्र का वाचन किया. इन दोनों छात्राओं को कायस्थम की ओर से सम्मानित किया गया.

## फलों के रस से हुआ बटेश्वर का रुद्राभिषेक

**भोपाल, 26 जुलाई (निज संवाददाता).** रवि प्रदोष के अवसर पर रविवार को श्री बड़वाले महादेव मंदिर में बाबा बटेश्वर का विशेष रुद्राभिषेक किया गया. मंदिर समिति के अनुसार भक्तों की सुख-समृद्धि और मनोकामना पूर्ति के लिए यह अनुष्ठान प्रदोष काल में किया गया. आयोजकों ने बताया कि अभिषेक में गन्ना, आम, अनानास, अनार और मौसंबी के रस का उपयोग किया गया. शाम को भगवान का फूलों से श्रृंगार कर महाआरती भी हुई, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए. मंदिर समिति के सदस्यों का कहना है कि प्रदोष के दिन इस तरह के अनुष्ठान का विशेष महत्व माना जाता है.

## रन फॉर टाइगर में 600 लोगों ने लगाई दौड़

**भोपाल, 26 जुलाई.** अंतरराष्ट्रीय बाघ दिवस के उपलक्ष्य में रविवार को भोपाल में आयोजित 'रन फॉर टाइगर' में 600 लोगों ने हिस्सा लेकर बाघ और वन्यजीव संरक्षण का संदेश दिया. यह आयोजन वन विभाग द्वारा किया गया था.

# आदिवासी और बुंदेली धुनों पर झूमे दर्शक

**निज संवाददाता**

**भोपाल, 26 जुलाई. मप्र जनजातीय संग्रहालय में रविवार को आयोजित 'संभावना' गतिविधि में आदिवासी और बुंदेली लोकधुनों ने ऐसा माहौल बनाया कि दर्शक देर तक झूमते रहे.**

आयोजक ने बताया धार के प्रताप सिंह और साथियों ने भील जनजाति का भगोरिया नृत्य प्रस्तुत किया, जबकि छतरपुर के विक्रमसिंह बुंदेला और टीम ने बुंदेलखंड का दिवारी नृत्य दिखाया.भगोरिया नृत्य में रंग-बिरंगी वेशभूषा और पारंपरिक अंदाज ने दर्शकों को आकर्षित किया. वहीं दिवारी नृत्य में ढोल-नगाड़ों की तेज थाप पर लाठियों के साथ किए गए करतबों ने कार्यक्रम में ऊर्जा भर दी.

# बच्चों से घर में लोकभाषा में बात करें : डॉ. तिवारी

**मध्यप्रदेश लेखक संघ की प्रादेशिक लोकभाषा पद्य/गद्य गोष्ठी**

**नवभारत न्यूज**

**भोपाल, 26 जुलाई. मध्यप्रदेश लेखक संघ की प्रादेशिक लोकभाषा पद्य/गद्य गोष्ठी रविवार को दुष्यंत संग्रहालय, शिवाजी नगर, भोपाल में वरिष्ठ रचनाकारों की उपस्थिति में संपन्न हुई.**

मुख्य अतिथि, वरिष्ठ ग़ज़लकार डॉ. किशन तिवारी ने कहा कि बच्चों से घर में लोकभाषा में बात करनी चाहिए एवं बुंदेली में सुनाया, 'हो गई भौत ही जीभ चटोरी, बात सुनत नहीं मोरी' अध्यक्षीय उद्बोधन में संघ के प्रादेशिक अध्यक्ष राजेंद्र गट्टानी ने संघ की नवीन गतिविधियों पर प्रकाश डाला.

गोष्ठी की शुरुआत डॉ. प्रार्थना पंडित की सरस्वती वन्दना से हुई. इसके बाद पहले कवि के रूप में तराना से पधारे, विक्रम विवेक ने मालवी में सुनाया, 'बईरा ने एस्तर आखी रात माथो फोड़ियो, जदे कई जई ने पन्ना बा ने दारु छोड़ियों'. खरगोन से पधारे छोगालाल कुमरावत 'सुजस',ने निमाड़ी ग़ज़ल सुनाई, 'काइ खाइनऽ फाकोज दादा? चस्मा सी खूब ताकोज दादा.' भोपाल के राजेश तिवारी ने बुंदेली में सुनाया 'हड्डी जमा देय वो जाड़ो, भुनसारे आंगन में ठाड़ो, जाड़ो पर रओ भैया भारी, घर में ही है खैर तुम्हाररी' और खूब वाहवाही लूटी. धामनोद से आये निर्मल शर्मा ने निमाड़ी में सुनाया, 'हम दई रहिया ज कलेजा को टुकड़ों, राखजो एक संभाली न, या छे हमारा दो कुल की लाज, राखजों एक संभाली न '. ग्वालियर से पधारी कवयित्री आशा पाण्डेय ने बुंदेली रचना में बेटियों की बिदाई का दृश्य दिखाकर माहौल मार्मिक कर दिया, 'बिन्नू बिन घर हो गओ खाली, परसो लग रओ बिना नोन को, बिन बिलिअन की थाली '. भोपाल के सत्यदेव सोनी सत्य ने बघेली में सुनाया, 'वेदहिं नारि बखान करैं अरु स्तुति वेद पुराणहिं गावैं, नारि रचैं रचना, जगजीवन सृष्टि अधारहिं नारि कहावैं. उज्जैन की संगीता तलेरा ने मालवी में जाड़े पर रचना सुना के खूब गुदगुदाया, 'कतरी ठंड पड़वा लग गी, उज्जैन में भी कुल्लू-मनाली की हवा चलवा लग गी.' भिण्ड से पधारे सुनील त्रिपाठी निराला ने बुन्देली में चौकड़िया छंद सुनाया, उनको बाप बड़ौ ना भैया, सबसे बड़ौ रुपैया. बिना घूस के वे नइं धर रए, अपई कहूं चिरैया '. दतिया से पधारे विनोद मिश्र सुरमणि ने बुंदेली में सुनाया, 'बरसा उने करें बेचैन, जिनके सूखे नैन, दादुर मोर पपीहा बिजुरी लगे हैं गारी देंन '.

मंचासीन अतिथियों में मध्यप्रदेश लेखक संघ के उपाध्यक्ष, वरिष्ठ गीतकार ऋषि श्रृंगारी ने सुनाया, 'हम जानत तुम इत गरजोगे उत बरसोगे रे, ओ बदरा कित बरसोगे रे ' . विशिष्ट अतिथि एवं मध्यप्रदेश लेखक संघ के संरक्षक डॉ. राम वल्लभ आचार्य ने सुनाया, 'अब तो गांव शहर में आ रओ, मोड़ा फ़िल्मी गानो गा रओ ' . मुरैना से पधारे सारस्वत अतिथि कैलाश गुप्ता 'सुमन' ने एक बच्ची की व्यथा यूं सुनाई, 'ब्याहो जिन करियो ओ महतारी, अबे उमर है बाली' एवं सभी को भाव विभोर कर दिया. कार्यक्रम का संचालन संघ के प्रांतीय मंत्री मनीष बादल एवं सह मंत्री डॉ. प्रार्थना पंडित ने किया. कोषाध्यक्ष सुनील चतुर्वेदी ने अपने पिता की बुंदेली रचना के साथ धन्यवाद ज्ञापन किया.

**पुरातत्व संरक्षण** | राज्य संग्रहालय में हैं 11-12 वीं सदी की प्रतिमाएं

# भगवान विष्णु का चातुर्मास शुरू, योग निद्रा में

**रोहित रजक**

**भोपाल,26 जुलाई. देवशयनी एकादशी से चातुर्मास की शुरुआत होते ही राज्य संग्रहालय में भगवान विष्णु की प्राचीन प्रतिमाएं श्रद्धा का केंद्र बनी हुई हैं. 11वीं-12वीं सदी की यह शेषशायी विष्णु प्रतिमा भगवान के योग निद्रा में जाने की कथा को दर्शाती है, जिसे देखने इन दिनों श्रद्धालुओं की आवाजाही बढ़ गई है.**

संग्रहालय के सूचना अधिकारी के मुताबिक चातुर्मास के दौरान भगवान विष्णु करीब 118 दिनों तक योग निद्रा में रहते हैं. इसी मान्यता को यह प्रतिमा जीवंत रूप में दिखाती है. प्रतिमा में विष्णु शेषनाग की शैय्या पर विश्राम करते नजर आते हैं, उनकी नाभि से निकले कमल पर ब्रह्मा विराजित हैं और माता लक्ष्मी चरण सेवा करती दिखाई देती हैं. ऊपर की ओर अन्य देवी-देवताओं और नवग्रहों का भी शिल्पांकन है. संग्रहालय की स्थापना के समय से ही यह प्रतिमा यहां प्रदर्शित है. चातुर्मास की शुरुआत के साथ ही शहर में विवाह और अन्य मांगलिक कार्यों पर भी विराम लग गया है. इस बीच संग्रहालय में यह प्रतिमा लोगों को पौराणिक कथाओं से जोड़ने का माध्यम भी बन रही हैं.

### संग्रहालय में सहेजी गई पौराणिक विरासत

राज्य संग्रहालय के पुरातत्विक अधिकारी बी.के लोखंडे ने बताया कि यहां संरक्षित विष्णु की प्राचीन प्रतिमा चातुर्मास और योग निद्रा की परंपरा को समझने का प्रमुख माध्यम है. उनके अनुसार यह धरोहर लोगों को धार्मिक कथाओं से जोड़ती है और हर साल इस दौरान पर्यटकों की दिलचस्पी बढ़ जाती है.